B. Ed 2nd year — 21/04/2020 Tuesday

समावेशी शिक्षा इकाई - 03

समावेशी शिक्षा एवं इसकी प्रथाएँ

समावेशी अनुदेशन प्रारूप

समावेशी प्रारूप एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसका एक वातावरण मे आयु, लिंग या विकलांगता का भेद किए बिना प्रत्येक व्यक्ति द्वारा प्रयोग किया जाता है। इसके अन्तर्गत सभी छात्रों को सम्मिलित किया जाता है जैसे — विशिष्टता, विविधता को दूर करने एवं सम्बन्धित छात्रों को एक मंच पर एक साथ शिक्षा ग्रहण करने के लिए किया गया प्रयास।

समावेशी अनुदेशन प्रारूप का महत्व

1. छात्रों की अवधारणा को स्पष्ट करना।
2. शिक्षण सह विधियाँ, प्रविधियों तथा उपागमों का प्रयोग।
3. शिक्षा की मुख्य धारा से बालकों को जोड़ने मे सहायक।
4. विभिन्न योग्यताओं एवं क्षमताओं का करने मे सहायक।
5. सह अधिगम के लिए प्रेरित करना।

समावेशी अनुदेशन प्रारूप के प्रयोग हेतु निर्देश

1. शिक्षण सामग्री
2. शिक्षण करने की विधि
3. अन्तःक्रिया की आंकलन
4. ज्ञान का प्रदर्शन
5. भौतिक प्रयास और प्रवेश

समावेशी (समावेशन) के लिए सहयोगी अनुदेशन

अनुदेशन → "एक समान लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कम से कम दो दलों के सहयोग से, स्वेच्छा से निर्णय लेने की शैली ही सहयोगी अनुदेशन है।"

Scanned with CamScanner

सहयोगी अनुदेशन की विशेषताएँ

1. प्रत्येक सहभागी का बराबर योगदान।
2. निर्णय लेने की शक्ति बराबर।
3. समान (एक ही) उद्देश्य।
4. आवश्यकतानुसार निर्णय लेने में सक्षम।
5. समस्त सामग्री एवं संसाधनों का साझा प्रयास।

शैक्षणिक परिस्थिति में सहयोगी अनुदेशन की शैली

1. समूह शिक्षण
2. स्टेशन शिक्षण
3. समानांतर शिक्षण
4. पुनर्शिक्षण
5. अधिगम पूरक क्रियाएँ
- शिक्षण/निरीक्षण
- शिक्षण/एक पर्यवेक्षक

सहयोगी अनुदेशन के लाभ

1- व्यक्तियों की विशेषज्ञता का लाभ।
2- समस्या का हल।
3- छात्रों को प्रोत्साहित करना।
4- छात्रों को सुविधा प्राप्त करने हेतु तैयार।
5- छात्रों का व्यक्तिगत मूल्यांकन।

सहयोगी शिक्षण अनुदेशन का क्रियान्वयन

1. सहयोगी संस्कृति।
2. साझा नेतृत्व।
3. सुसंगत दृष्टि।
4. व्यापक योजना।
5. पर्याप्त संसाधन।
6. निरन्तर परिपालन।
7. सतत मूल्यांकन एवं सुधार।

B. R. C. Deoband
ARP Pro - Sapna Tyagi

Scanned with CamScanner